SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

An account of the 45,000 - Cr Business Story

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2004 - 2005

ఆంధ్రాబ్యాంక్ आन्ध्रा बैंक **ANDHRA BANK**

(A Govt. Of India Undertaking)

सेवा में प्रथम – बैंकिंग में सर्वोत्तम First In Service - Best In Banking

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री टी.एस. नारायणसामी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Sri T.S. Narayanasami
Chairman & Managing Director

श्री आर. बालकृष्णन
कार्यपालक निदेशक

Sri R. Balakrishnan
Executive Director

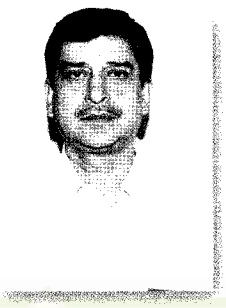

श्री राकेश सिंह
भारत सरकार नामिती निदेशक

Sri Rakesh Singh
GoI Nominee Director

श्रीमती दीपाली पंत जोशी
भारिबैंक नामिती निदेशक

Smt. Deepali Pant Joshi
RBI Nominee Director

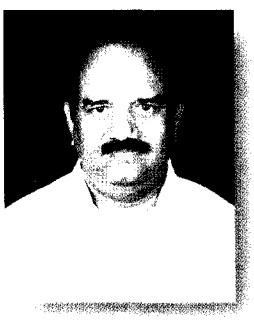

श्री पी. परमेश्वर राव
निदेशक

Sri P. Parameswara Rao
Director

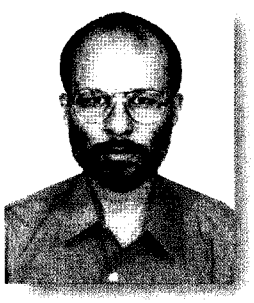

श्री अनिल कुमार सूद
निदेशक

Sri Anil Kumar Sood
Director

श्री टी. नवनीत राव
निदेशक

Sri T. Navaneeth Rao
Director

श्री एस. स्वामिनाथन
निदेशक

Sri S. Swaminathan
Director

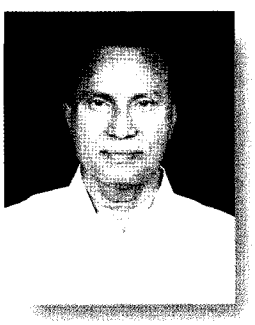

श्री मल्लिनेनि राजय्या
निदेशक

Sri Mallineni Rajaiah
Director

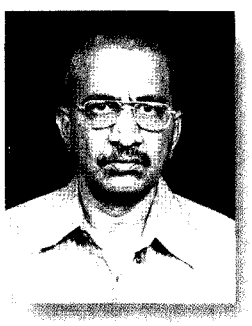

श्री के.वी. सुब्बय्या
निदेशक

Sri K.V. Subbaiah
Director

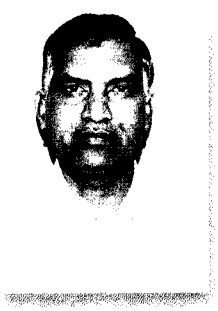

श्री बी.एस.आर. मोहन रेड्डी
निदेशक

Sri B.S.R. Mohan Reddy
Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची/CONTENTS

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से/From the Chairman & Managing Director — 3
- वार्षिक साधारण बैठक की सूचना/Notice of Annual General Meeting — 5
- निदेशकों की रिपोर्ट/Directors' Report — 7
- प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण/Management Discussion and Analysis — 21
- कार्पोरेट गवर्नेन्स/Corporate Governance — 41
- तुलन पत्र/Balance Sheet — 62
- लाभ व हानि लेखा/Profit and Loss Account — 63
- महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ / Significant Accounting Policies — 73
- लेखों पर टिप्पणियाँ/Notes on Accounts — 79
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट/Auditors' Report — 95
- नकदी प्राप्ति विवरण/Cash Flow Statement — 97
- प्रगति का विहंगावलोकन/Progress at a Glance — 99
- मुख्य निष्पादन अनुपात/Key Performance Ratios — 101
- विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण/Abridged Financial Statements in Foreign Currency — 103
- शाखाओं का वर्गीकरण - समूहवार - जनसंख्या /Classification of Branches - Population Group Wise — 104
- अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण/Financial Statements of Subsidiary
  आन्ध्रा बैंक फाईनैंशियल सर्विसेस लिमिटेड/Andhra Bank Financial Services Limited — 107
- आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण
  Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its subsidiary — 142
- परोक्षी फार्म / Proxy Form — 189
- उपस्थिति पत्रक, प्रवेश पत्र / Attendance Slip, Entry Pass — 191

लेखा परीक्षक Auditors

अब्राहम एण्ड जोस, कोच्चि
Abraham & Jose, Kochi

एम. आर. नारायण एण्ड कंपनी, चेन्नै
M.R.Narain & Co, Chennai

चतुर्वेदी एंड शाह, मुंबई
Chaturvedi & Shah, Mumbai

एस.आर.बी एंड एसोसियेट्स, भुबनेश्वर
SRB & Associates, Bhubaneswar

एस.सी.वासुदेवा एंड को., नई दिल्ली
S.C. Vasudeva & Co., New Delhi

सुनील के. गुप्ता एंड एसोसियेट्स, नई दिल्ली
Sunil K. Gupta & Associates, New Delhi

रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट
Registrar & Share Transfer Agent

मेसर्स एम सी एस लि.
(यूनिट आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश्वर भवन, प्लाट संख्या 27, रोड नं 11
एम आई डी सी एरिया, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई - 400 093.

M/s **MCS Ltd.,**
(Unit: Andhra Bank)
Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11
M.I.D.C. Area, Andheri (East), MUMBAI-400 093.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शेयरधारकों को संबोधन

प्रिय शेयरधारको,

वित्तीय वर्ष 2005 के दौरान आन्ध्रा बैंक के कार्यनिष्पादन ने विशेषकर निवल ब्याज मार्जिन में तीव्र प्रतिस्पर्धा स्क्वीज, पर्याप्त लागत लगाकर बडे पैमाने में प्रौद्योगिकी उन्नयन की आवश्यकता, बांड मूल्यों में अनियमित उतार-चढाव एवं सरकारी प्रतिभूति बाजार में बढते प्रतिफल ने बैंकों को निवेशों पर मूल्यह्रास का प्रबंध करने, निवेशों की बिक्री पर लाभ का धीरे धीरे कम हो जाने के कारण तिजोरी आय में गिरावट, आस्ति श्रेणीकरण के लिए कठिन विवेकपूर्ण मानदंड अपनाने के कारण उभरती चुनौतियों का सामना करने की अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया है.

आपको सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि बैंक ने सुस्पष्ट नीतियों से विभिन्न चुनौतियों को रेस्पांड किया है एवं निरंतर लाभप्रद वृद्धि के अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया है.

बैंक के कार्यनिष्पादन की विशिष्टताएँ वित्तीय वर्ष 2003-2004 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2004-2005 में इस प्रकार है.

- ग्राहक आधार 13.50 मिलियन तक बढ गया है.
- कुल व्यवसाय 25.15% वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु 36,325 करोड से रु.45,461 करोड तक बढ गया है
- कुल जमा लगभग 20.10%. वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु 22,941करोड से रु 27,551करोड तक बढ गया है
- अल्प लागत जमा 16.25% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु 8567 करोड से रु 9959 करोड तक बढ गया है.
- जमाराशियों की लागत 5.87% से 4.86 % तक घट गयी है.
- सकल बैंक ऋण 33.82 % वृद्धि दर के साथ रु 13,384 करोड से रु 17, 910 करोड तक बढ गया है.
- ऋण जमा अनुपात 58.55% से 65.18% तक बढ गया है.
- निवल ब्याज मार्जिन (उपार्जित आस्तियों के आधार पर) 3.58% हैं.
- गैर ब्याज आय 11.10% बढती हुई रु 678.05 करोड से रु 753.35 करोड तक वृद्धि हुई है.
- परिचालन लाभ 6.75% वृद्धि दर के साथ रु 930.17 करोड से रु 992.93करोड तक बढ गया है.
- निवल लाभ 12.21% बढते हुए रु 463.50 करोड से रु 520.10 करोड तक बढ गया है
- सकल अनर्जक आस्तियाँ 4.60% से 2.46% तक कम हो गयी है.
- निवल अनर्जक आस्तियाँ 0.93% से 0.28% तक कम हो गयी है.
- पूँजी पर्याप्तता अनुपात 12.11% है,
- औसत आस्तियों पर प्रतिफल 1.84 % है
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ रु 3.54 लाख से रु 3.97 लाख तक बढ गया है.
- प्रति कर्मचारी व्यवसाय रु 277.35 लाख से रु 346.25 लाख तक बढ गया है.

वित्तीय वर्ष 2004-2005 के दौरान 40 शाखाएँ, 7 विस्तार काउण्टर एवं 58 एटीएम खोले गये हैं. इस प्रकार 1168 शाखाएँ, 136 विस्तार काउण्टर, 330 एटीएम एवं 38 अनुषंगी कार्यालय 21 राज्यों एवं 2 संघ शासित राज्यों में फैले हुए हैं. 31.03.2005 को व्यवसाय डेलिवेरी चैनलों की कुल संख्या 1672 तक बढ गयी है. बैंक की 36 विशेषीकृत शाखाएँ है.

बैंक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के वित्तपोषण के जरिए सामाजिक बैंकिंग को सक्रियता से आगे बढाता आ रहा है. आपके बैंक ने वर्ष के दौरान 47848 नये समूहों को वित्तपोषित किया है. अनुषंगी के अंतर्गत बकाया 77,557 समूहों के लिए अत्यधिक रु 221.01 करोड तक पहुँच गया है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक जुटाव एवं ग्रामीण पुरुषों एवं महिलाओं, विशेषकर कमजोर वर्ग, को आर्थिक शक्ति प्रदान करनी है. बैंक को आन्ध्र प्रदेश राज्य में अत्यधिक संख्या में एसएचजी को वित्तपोषित करने के कारण बैंक को लगातार पिछले चार वर्ष के लिए उत्तम बैंक पुरस्कार प्राप्त हुआ है.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों ने वर्ष दर वर्ष आधार पर 36% की वृद्धि दर के साथ वित्तीय वर्ष 2004-2005 के दौरान प्रभावशील कार्यनिष्पादन दर्शाया है. मार्च 2005 के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को बकाया अग्रिम रु 7070.29 करोड हैं जो निर्धारित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र उधार मानदंड के 40% की तुलना में 43.07% है. कुल कृषि अग्रिम 48.03% बढते हुए रु 3077.56 करोड हो गया है जो अनुबद्ध मानदंड के 18% को पार करते हुए समायोजित निवल बैंक ऋण का 18.75% बन गया है. लघु उद्योग अग्रिम ने गत वर्ष की नकारात्मक प्रवृत्ति की तुलना में 21.89% का उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन दर्शाया है जो एक निर्दिष्ट वर्ष में अग्रिमों में अब तक की वृद्धि में अत्यधिक है. अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में गत वर्ष पर 31.80% की वृद्धि दर्ज की गयी है.

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपका बैंक इस वर्ष के दौरान अनर्जक आस्तियों के अच्छे प्रबंधन के रास्ते पर आगे बढा है. बैंक की निवल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 0.93% से 0.28% तक घट गया है जो सार्वजनिक क्षेत्र बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है. सकल अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत 4.60%. से 2.46% तक घट गया है. आपके बैंक द्वारा अनुसरित विवेकपूर्ण नीति के अनुसार एनपीए प्रावधान कवरेज 80% से 88% तक बढा है.

क्रेडिट कार्ड व्यवसाय ने गत वर्ष से 33.40% वृद्धि दर दर्ज करते हुए रु. 789.06 का प्रशंसनीय व्यवसाय टर्नोवर दर्शाया है. बैंक द्वारा जारी नये कार्डों में 122% की वृद्धि हुई है जिससे कुल ग्राहक आधार 1,52,989 हो गया है.

बैंक ने नये व्यवसाय अवसरों को पूँजीकृत करके वृद्धि योजनाओं को अपनाया है जो शुल्क आधारित आय पर फोकस करके भविष्य में वृद्धिकारक होंगी. बैंक ने बीमायुक्त जमा उत्पाद, जैसे आरोग्यदान, एबी जीवन प्रकाश एवं एबी जीवन प्रकाश प्लस, प्रारंभ करके एवं ऋण उत्पादों के लिए विभिन्न कार्पोरेटों से गठबंधन करके अपनी नवोन्मेषी व्यवसाय योजनाओं को अपनाया है.

बैंक ने एनीव्हेर एनीटाइम बैंकिंग सुविधा देते हुए 330 एटीएम स्थापित किया है. बैंक ने 9000 से अधिक सुलभ एटीएम लेकर अन्य बैंकों के साथ एटीएम शेयरिंग व्यवस्था की है. बैंक का एटीएम/डेबिट कार्ड आधार 7.37 लाख से 12.89 लाख तक बढ गया है. एनीव्हेर बैंकिंग सुविधा देते हुए क्लस्टर आधारित कोर बैंकिंग सोल्यूशन 31.03.2005 को 622 शाखाओं में कार्यान्वित किया गया. प्रौद्योगिकी सूचना विभाग के डाटा सेंटर, साइबर गैटवे, मादापुर में स्टेट ऑफ आर्ट सुविधा है, को आईएसओ 9001.2000 प्रमाणन प्राप्त है. आगे बढते हुए बैंक ग्राहकों को और मूल्य वर्धित उत्पाद एवं सेवाएँ देने के लिए प्रौद्योगिकी उन्नयन का प्रयोग करेगा.

बैंक में 13108 प्रतिबद्ध वर्कफोर्स है. सूचना प्रस्फोटन के इस युग में ज्ञानांतराल को पूरा करने के लिए स्टाफ को आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है जहाँ आवधिक अद्यतन के बिना दिमाग अविकसित रह जाता है. वर्ष के दौरान आंतरिक कार्यक्रमों, पाश्चात्य प्रशिक्षण इत्यादि समेत बाह्य प्रशिक्षण के लिए प्रतिनियुक्ति के जरिए 4185 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है. आपके बैंक के सभी स्तर के स्टाफ के समर्पण एवं प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है, जिन्होंने बैंक के प्रोत्साहजनक कार्यनिष्पादन को सक्षम बनाया है.

बैंक का नेटवर्क रु 1453 करोड से रु 1837 करोड तक बढा है प्रति शेयर ईपीएस एवं बहीमूल्य क्रमशः रु.11.59 एवं रु.36.33 से 13.00 एवं रु. 45.93 तक बढ गये हैं. बैंक के निदेशक मंडल ने प्रदत्त 15% के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त वर्ष 2004-2005 के लिए शेयरधारकों को 15% अंतिम लाभांश घोषित किया है. इस प्रकार कुल लाभांश 30% है.

भविष्य की चुनौतियों को सामना करते हुए आगे बढने एवं ग्राहकों तथा अन्य पणधारियों की उच्चाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मैं आन्ध्रा बैंक के सभी रेंक के स्टाफ के साथ पुनः समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ ज्वायन करता हूँ. आपके अनवरत समर्थन की आशा करते हुए.

स्नेहपूर्ण शुभकामनाओं समेत,

आपका

(टी.एस.नारायणसामी)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Dear Shareholder,

Andhra Bank's performance during the Financial Year 2005 has demonstrated its ability to cope with the emerging challenges especially due to intensified competition, squeeze in the Net Interest Margin, the need to go in for large scale technology upgradation involving substantial costs, erratic fluctuations in bond prices and rising yields in the Government Securities Market posing banks to provide depreciation on investments, falling treasury income due to gradual disappearance of Profit on sale of Investments, adoption of rigorous prudential norms for asset classification etc.

I am glad to inform you that the Bank has responded to the various challenges with clear-cut strategies and achieved its objectives of sustained profitable growth.

The highlights of the Performance of the Bank in FY 2004-2005 as compared to FY 2003-2004 are:

- Clientele base increased to13.50 million.
- Total Business increased to Rs. 45,461crore from Rs.36,325 crore registering a growth of 25.15%.
- Total Deposits increased to Rs.27,551crore from Rs.22941 crore registering a growth of about 20.10%.
- Low Cost Deposit increased to Rs.9959 crore from Rs.8567 crore with a growth rate of 16.25%.
- Cost of Deposits was brought down to 4.86 % from 5.87%.
- Gross Bank Credit increased to Rs.17, 910 crore from Rs. 13,384 crore with a growth rate of 33.82 %.
- Credit Deposit Ratio increased to 65.18% from 58.55%.
- Net Interest Margin (based on earning assets) stood at 3.58%.
- Non- Interest Income grew by 11.10% to Rs.753.35 crore from Rs.678.05crore.
- Operating Profit increased to Rs.992.93.crore from Rs. 930.17 crore with a growth rate of 6.75%.
- Net Profit up by 12.21% to Rs. 520.10 crore from Rs. 463.50 crore.
- Gross NPAs declined to 2.46% from 4.60%.
- Net NPAs declined to 0.28% from 0.93%.
- Capital Adequacy Ratio stood at 12.11%.
- Return on Average Assets stood at 1.84%.
- Net Profit per Employee increased to Rs.3.97 lakhs from Rs. 3.54 lakhs.
- Business per employee increased to Rs.346.25 lakhs from Rs. 277.35 lakhs.

During the FY 2004-2005, 40 Branches, 7 Extension Counters and 58 ATMs were opened, thus taking the total number of Branches to 1168, Extension Counters to 136, ATMs to 330 and 38 Satellite Offices spread over 21 States and 2 Union Territories. As on 31.03.2005, the total number of Business Delivery Channels increased to 1672. The Bank has 36 Specialised Branches.

Bank has been actively pursuing social banking through finance of Self Help Groups (SHGs). Your bank has financed 47848 new groups during the year. The outstandings under the programme touched an all time high of Rs221.01 Crore for 77,557 groups. This programme aims at social mobilization and economic empowerment of rural men and women specially belonging to weaker sections. Bank has bagged the BEST BANK award continuously for the last four years in the state of Andhra Pradesh for financing maximum number of SHGs.

Priority Sector Advances has shown an impressive performance during the financial year 2004-2005, with a growth rate of 36% on YoY basis. As on the last reporting Friday of March 2005, the outstanding advances to priority sector stood at Rs.7070.29 crore forming 43.07% against the prescribed priority sector lending norm of 40%. Total agricultural advances increased by 48.03% to Rs.3077.56 crore, constituting 18.75% of the Adjusted Net Bank Credit, surpassing the stipulated norm of 18%. SSI advances shown noticeable performance of 21.89% against the negative trend of last year, recording the highest ever growth in advances in a particular year. Other Priority Sector recorded a growth of 31.80%.

You will be happy to know that your Bank pursued the path of better management of NPAs during this year. The percentage of Net NPA of the Bank has come down to 0.28% from 0.93%, which is one of the lowest in the public sector banking industry. The percentage of Gross NPA decreased to 2.46% from 4.60%. In tune with the prudent policy followed by your Bank, the NPA provision coverage increased to 88% from 80%.

Credit Card business showed an appreciable business turnover of Rs.789.06 crore recording a growth rate of 33.40% from the previous year. The new cards issued by the Bank-recorded growth of 122% making the total credit card base to 1,52,989.

The Bank has adopted growth strategies resolutely by capitalizing on new business opportunities, which are enablers of future growth by focusing on fee-based income. The Bank has pursued its innovative business strategy by launching insurance linked deposit products like Arogyadaan, AB Jeevan Prakash and AB Jeevan Prakash Plus and by entering into tie ups with various corporates for loan products.

The Bank has set up 330 ATMs providing "Anywhere Anytime Banking". The Bank has entered into ATM sharing arrangement with other Banks taking total number of accessible ATMs to more than 9000. The ATM/Debit card base of the Bank increased to 12.89 lakhs from 7.37 lakhs. Cluster-based Core-Banking Solutions have been implemented in 622 Branches as on 31.03.2005 providing Anywhere Banking Facility. Department of Information of Technology, which is moved into a state of the art facility at Data Centre, Cyber Gateway, Madhapur has secured ISO-9001-2000 Certification. Going forward, the Bank will use Technology upgradation for extending further Value Added Products and services to customers.

The Bank has a committed workforce of 13108. Necessary training is imparted to the staff to bridge the knowledge gap in this era of information explosion, where mind becomes obsolete unless periodically updated. 4185 Staff members have been trained during the year through internal programmes, deputation to external training including overseas training etc. I am happy to record my appreciation of the dedication and commitment of the staff of your Bank at all levels, which has enabled the Bank's encouraging performance.

The Networth of the Bank increased to Rs.1837 crore from Rs. 1453 crore. The EPS and Book Value per share increased to Rs.13.00 and Rs.45.93 respectively, from Rs.11.59 and Rs.36.33. The Board of Directors of the Bank have declared a final dividend of 15% to the shareholders for the year 2004-2005, in addition to the interim dividend of 15% paid, thus taking the total dividend to 30%.

I join the entire rank and file of the staff of Andhra Bank with rededication and commitment for surging ahead, coping with the challenges of the future and in meeting heightened expectations of customers and other stakeholders. Looking forward to your continued support.

With warm greetings,

Yours sincerely,

(T.S.Narayanasami)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक ANDHRA BANK
(A Govt. of India Undertaking)
प्र.का: डा.पट्टाभि भवन, 5-9-11, सैफाबाद, हैदराबाद- 500 004.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक के शेयरधारकों की पाँचवीं वार्षिक साधारण बैठक बुधवार, 22 जून, 2005 के सुबह 10.30 बजे श्री सत्यसाई निगमागमम, 8-3-987/2, श्रीनगर कॉलनी, हैदराबाद - 500 073 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी.

31 मार्च 2005 को बैंक का तुलन पत्र, 31 मार्च 2005 वर्ष की समाप्ति को लाभ एवं हानि लेखा, लेखा द्वारा कवर की गयी अवधि हेतु बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलनपत्र एवं लेखा पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट.

निदेशक मंडल के आदेश से
टी.एस.नारायणसामी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हैदराबाद
27.4.2005

टिप्पणियाँ:

1. **परोक्षी की नियुक्ति**

बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं एवं ऐसा परोक्षी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. परोक्षी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व यानी 17.06.2005 तक बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा/दर्ज हो जानी चाहिए. ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जाएगा, जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो.

2. **प्रतिनिधि की नियुक्ति**

कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैक के प्रधान कार्यालय में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.

3. **उपस्थिति पत्रक सह प्रवेश पास**

शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. परोक्षी/प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर परोक्षी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें.

4. **लाभांश**

वर्ष 2004-2005 के लिए बैंक ने 15 प्रतिशत अंतिम लाभांश घोषित किया एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 12 मई 2005 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 26 मई 2005 को अदा किया जाएगा.

5. **नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं.) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना.**

बैंक ने निर्गमकर्ता कम्पनी के रूप में अपने शेयरों को डीमैटिरियलाइजेशन के लिए नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. [एनएसडीएल]व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं) लि.[सीडीएसएल] से करार किया है. डीमैटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के जरिए हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम.सी.एस लिमिटेड, मुम्बई को भेजना है.

6. **लाभांश के लिए बैंक का आदेश पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस)**

निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा बैंक ने उन शेयरधारकों को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केंद्रों में हैं, मुम्बई, नई दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलूर, हैदराबाद, नागपुर, चंडीगढ एवं तिरुवनंतपुरम.

7. **पन्नों का समेकन**

शेयरधारक, जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखें हैं, से अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रर व अंतरण एजेंट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सर्टिफिकेट के साथ भेज दें ताकि बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे.

8. **अंतरण के लिए जमा करना**

शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट को निम्न पते पर भेजा जाय.
मेसर्स. एमसीएस लि. (यूनिट : आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश भवन, प्लाट नं.27, रोड नं.11,
एमआईडीसी एरिया, अंधेरी (पश्चिम), मुबई - 400 093

9. **शेयरधारकों से अनुरोध**

क) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियाँ वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अतः शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ.

ख) **सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार/कूपन नहीं बाटे जायेंगे.**

ग) शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग/ब्रीफकेस/टेपरिकार्डर/कैमरा आदि अपने साथ न लाएँ क्योंकि ये वस्तुएँ सुरक्षा जाँच के अधीन हैं, इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी जा सकती है.

नोट: बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो केवल कार्यसूची की मद के संबंध में वे अपने सुझाव, शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा कक्ष को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के 15 दिन पहले प्राप्त हो.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक ANDHRA BANK
(A Govt. of India Undertaking)

Head Office: Dr. Pattabhi Bhavan, 5-9-11, Saifabad, Hyderabad – 500 004

NOTICE

Notice is hereby given that the Fifth Annual General Meeting of the shareholders of Andhra Bank will be held at Sri Sathyasai Nigamagamam, 8-3-987/2, Srinagar Colony, Hyderabad-500 073, on Wednesday, the 22nd June, 2005, at 10.30 A.M. to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2005, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2005, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

By order of the Board of Directors
T.S. NARAYANASAMI
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Mumbai
27.04.2005

Notes

1. **Appointment of proxy:**

   The shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a shareholder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be deposited / lodged at the Head Office of the Bank atleast four days before the date of the meeting, i.e. latest by 17.06.2005. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorised representative or a proxy.

2. **Appointment of a representative:**

   No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.

3. **Attendance slip cum entry pass:**

   For the convenience of the members, Attendance Slip is enclosed to this Report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein and handover the Attendance Slip cum Entry Pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as Proxy or Representative as the case may be.

4. **Dividend:**

   The Bank has declared a final dividend of 15% for the year 2004-2005 and the dividend shall be paid on 26th May, 2005 to the shareholders whose names appear in the Register of Shareholders as on 12th May, 2005.

5. **Holding Bank shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited:**

   The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer Company for Dematerialisation of Bank's Shares. Request for Dematerialisation may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents, M/s. MCS Limited, Mumbai.

6. **Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service (ECS):**

   In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following Centres:

   Mumbai, New Delhi, Kolkata, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Nagpur, Chandigarh and Thiruvananthapuram.

7. **Consolidation of Folios:**

   The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agent, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.

8. **Lodgement for Transfers**

   Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:

   M/s. MCS Limited (Unit: Andhra Bank)
   Sri Venkatesh Bhavan
   Plot No. 27, Road No.11
   MIDC Area, Andheri (East)
   Mumbai – 400 093.

9. **Request to shareholders**

   (a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.

   (b) Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.

   (c) Shareholders are advised to avoid bringing bags / brief cases / tape recorders / cameras, etc., as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

NOTE:

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarifications, etc., at the Annual General Meeting, relating to the item of agenda only may send their suggestions, queries, etc. so as to reach the Shares Division & Investors Services Cell at Head Office of the Bank atleast 15 days before the date of meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 2003-2004

31 मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलनपत्र एवं लाभ एवं हानि लेखा समेत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बैंक के निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता है.

आर्थिक परिदृश्य

मानसून की कमी, इस्पात तथा तेल के अन्तरराष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि (मार्च 29 को $53.70 प्रति बैरल) तथा विध्वंसक सुनामी के असर के बावजूद अर्थव्यवस्था विकासोन्मुख रही है. वर्ष 2003-2004 के दौरान विकास दर 8.5% से अधिक रही तथा अनुमान है कि 2004-2005 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास स्तर 6.9% होगा. 3 अप्रैल 2004 को 4.5% की बिंदुवार वार्षिक मुद्रास्फीति दर से प्रारंभ होने के पश्चात् वर्ष 2004-2005 के दौरान मुद्रास्फीति दर 28 अगस्त 2004 को 8.7% की चरमसीमा पर पहुँची जो पिछले चार वर्ष के दौरान सर्वाधिक है. बाद में मार्च 2005 के अंत तक 5% तक घट गयी है. भारिबैं ने नकद आरक्षित नकदी निधि अनुपात (सीआरआर) को दो चरणों में अर्थात् 18 सितम्बर 2004 तथा 27 अक्तूबर 2004 से प्रभावी रूप से बढाया. इन उपायों के परिणामस्वरूप अपरिष्कृत मूल्य में गिरावट हुई तथा 18 मार्च 2005 को मुद्रास्फीति को 5.11% तक नियंत्रित करने में सहायता मिली.

राजकोषीय समेकन में केन्द्रीय सरकार का राजकोषीय घाटा चिन्ता का विषय बना हुआ है. अनंतिम डाटा के अनुसार 2003-2004 में अनुपात 4.5% रही. 2005-2006 के लिए इस अनुपात में 4.3% तक सुधार का बजटीकरण किया गया है. राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य सुधाराने हेतु अविरत प्रयास किए जा रहे हैं. केन्द्र एवं राज्यों का राजकोषीय घाटा 2003-2004(आरई) में जीडीपी के 9.4 से 2004-2005 में जीडीपी के 7.9% तक कम होने हेतु बजटीकरण किया गया है. वित्त वर्ष 2004-2005 प्रथम वर्ष है जिससे अर्थकोषीय जिम्मेदारी और बजट प्रबंधन (एफ़आरबीएम) अधिनियम, 2003 परिचालन में है.

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए प्रस्तावित अत्यंत क्रांतिकारी मूल्य वर्धित कर (वेट), 4 वर्ष की राजनीतिक एवं आर्थिक चर्चा के बाद अन्ततः वास्तव में लागू हुआ. अब तक, 21 राज्यों ने 1 अप्रैल 2005 से इसके कार्यान्वयन के लिए अपनी सहमति दी है.

पिछले दो वर्ष से यूएस डॉलर में हुई कमजोरी के कारण (जिसका प्रमुख कारण बढते यूएस घाटा है) भारतीय रुपया, यूएसडी के प्रति निरन्तर मूल्यवर्धित होता रहा है. हाल ही की रु/$ विनिमय दर लगभग रु.43 एवं 44 के बीच रही है. यूएसडी के प्रति नाममात्र दृढ़ता के बावजूद अन्य प्रमुख मुद्राओं के प्रति रुपये का मूल्यह्रास हुआ है.

भारत के फारेक्स आरक्षितियों की बढ़ती प्रवृत्ति ऐसी आरक्षितयों से (स्वर्ण, एसडीआर तथा आईएमएफ़ की आरक्षितियों की स्थिति समेत) जारी रही और 31 मार्च 2005 को यूएसडी 141.20 बिलियन के अनुमानित स्तर पर पहुँची जो सितम्बर 2004 की समाप्ति तक यूएस$114 बिलियन के भारत के कुल बाहरी ऋण से अधिक है. फिरभी, पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि में अधिशेष की तुलना में प्रथम अर्ध वर्ष में चालू खाते में घाटे के इस वर्ष में आरक्षितियों में कम बढ़ोतरी हुई है, वित्त वर्ष 2003-2004 की तुलना में डॉलर में हुई कमजोरी के कारण एनआरआई जमाओं की ब्याज दरों में कमी हुई तथा मूल्यांकन लाभ कम हुआ है. वित्त वर्ष 05 के दौरान निर्यात 24% बढ़ते हुए यूएस$80 बिलियन हुए, आयात 34% बढ़ते हुए यूएस $105 बिलियन हुए तथा व्यापार-घाटा यूएस $25 बिलियन रहा.

2004-2005 में अविरत अधिकतर कंपनी आय के कारण सेंसेक्स मार्च 2005 के दौरान 6800 अंक पार कर गया लेकिन स्टॉक बाजार अन्य एशियायी देशों की तुलना में भारत में अस्थिर रहा.

बैंकिंग परिदृश्य

2004-2005 के दौरान ऋण के कुल व्यापार समेत बैंकों का समग्र कार्य निष्पादन लाभकारी रहा. 31 मार्च 2005 को बैंक ऋण प्रभावशाली 30.5% दर्शाते हुए रु.11,41,701 करोड रहा.

18 मार्च 2005 को मुद्रा आपूर्ति (एम3) में 13.22 प्रतिशत, रु.22,65,328 करोड रहा. भारिबैं द्वारा रुपये की मूल्यवृद्धि को रोकने हेतु किए गए हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप मुद्रा बाजार में चलनिधि बढ़ गई. उसी दिनांक को, वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक का उधार पिछले वर्ष के समान अवधि के 12.3% के प्रति 16% बढ़ गया.

चालू वर्ष में मुद्रा आपूर्ति के कम विकास के बावजूद, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के सकल बैंक ऋण में प्रभावी विकास हुआ. खाद्य ऋण पिछले वर्ष के 25.9% की कमी की तुलना में 15.2% बढा. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का खाद्येतर ऋण पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि को रु.8,20,171 करोड से राजकोषीय वर्ष के अन्तिम शुक्रवार को 28.08 के साथ रु.10,50,455 करोड बढ़ा. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियाँ भी वर्षानुवर्ष आधार पर 11.45 प्रतिशत बढ़ीं जो रु.15,33,052 के प्रति 25 मार्च 2005 को 17,08,610 करोड रहीं और रु.1,75,558 करोड का पूर्ण विकास दर्ज किया गया. निरपेक्ष रूप से मांग जमाएँ रू.58106 करोड बढी और सावधि जमाएँ रू.172417 करोड बढीं.

भारिबैं ने मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी के बावजूद 6% पर बेंचमार्क बैंक दर बनाए रखा. अर्थकोषीय तथा मौद्रिक उपायों के कारण मुद्रास्फीति कम हुई तथा सरकारी बांड पर प्राप्तियाँ भी कम हो गईं.

बैंक ने उत्पादों की सह-बिक्री के लिए बीमा और म्यूचुवल फण्ड कंपनियों के साथ संधि की है. वर्ष के दौरान विभिन्न सरकारी एवं निजी क्षेत्र के बैंकों में अनेक एटीएम शेयरिंग करार कराये गए. बैंकिंग उद्योग में नैशनल स्विच बहुत बडे आईटी उपाय के रूप में उभर रहा है जिससे ग्राहकों को किसी भी बैंक के एटीएम से अपने बैंक खाते में लेनदेन करने की सुविधा मिलती है.

उभरता परिदृश्य:

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि ने अपने अर्ध वार्षिक विश्व आर्थिक परिदृश्य में असमान मानसून तथा अधिकतर विश्व तेल मूल्यों के बावजूद भारत के लिए सुदृढ़ आर्थिक विकास का अनुमान लगाया है. फिरभी उसने कहा है कि केन्द्र एवं राज्यों का अधिक अर्थकोषीय घाटा संरचनागत सुधार - विशेषकर वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को बाधा पहुँचा सकता है. मध्यम काल में ब्याज दर स्थिर रहेंगी, बढ़ता तेल मूल्य मुद्रास्फीति पर दबाव डाल सकता है लेकिन बढ़ते तेल मूल्य के प्रति अर्थव्यवस्था उछल सकती है.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

DIRECTORS' REPORT 2004-2005

The Board of Directors of the Bank have pleasure in presenting the Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended March 31, 2005.

ECONOMIC SCENARIO

The economy has managed to maintain the growth momentum inspite of the deficient monsoon, hardening international prices of oil ($53.70 per barrel as on March 29) and steel, effect of the destructive Tsunami, etc. A growth rate of above 8.5% was achieved by the economy during the year 2003-2004 and in advance estimates for 2004-2005, Indian Economy is predicted to grow at a level of 6.9%.

The year 2004-2005, after starting a point-to-point annual inflation rate of 4.5% on April 3,2004 witnessed a peak level of inflation at 8.7% on August 28,2004, the highest in the last four years but later declined to 5% by the end of March 2005. The RBI hiked the Cash Reserve Ratio (CRR) in two stages, effective from September 18,2004 and October 27, 2004, these measures, coupled with the subsequent fall in crude prices, helped to rein inflation to 5.11% as on 18th March 2005.

Fiscal Deficit of Central Government remains a matter of concern in fiscal consolidation. As per the provisional data in 2003-2004, the ratio stood at 4.5%. A further improvement in this ratio to 4.3% has been budgeted for 2005-2006. Efforts in improving the fiscal health of States are consistent. The consolidated fiscal deficit of the Centre and States is budgeted to come down from 9.4% of GDP in 2003-2004 (RE) to 7.9% of GDP in 2004-2005. FY 2004-2005 is the first year when the Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act, 2003 came into operation.

Value Added Tax (VAT), one of the most radical reforms proposed for the Indian Economy, could finally become a reality after 4 years of political and economic debate. So far, 21 States have given their nod for the April 1,2005 for implementation.

In the wake of weakening of the US dollar for the last two years (caused mainly by the widening US deficits), Indian Rupee has steadily appreciated vis-a-vis USD. The Re/$ exchange rate stood between Rs.43/- to Rs.44/-. Despite strengthening nominally against USD, Rupee depreciated against other major currencies.

The rising trend in India's forex reserves continued with such reserves (including gold, SDRs and reserve position in IMF) reaching an estimated level of USD 141.20 bn as on March 31st, 2005 in excess of India's total external debt of US$ 114 bn at the end of September 2004. However, the accretion of reserves during the year is low compared to the previous year due to current account deficit in the first half of the year compared to surplus in the corresponding period last year, lowering of interest rates in NRI deposits and less valuation gains out of weakening dollar compared to FY 2003-2004. Exports rose by 24% to US$80bn, imports 34% to US$ 105bn and the trade deficit was around US$25bn in FY05.

With continued higher corporate earnings in 2004-2005, the Sensex crossed 6800 mark in March 2005 but stock market volatility remained higher in India compared to other Asian countries.

BANKING SCENARIO

Overall performance of Banks during 2004-2005 in general remained profitable with improved Credit off take. Bank Credit has shown a robust growth of 30.5% to Rs.11,41,701 crore as on 31st March 2005.

As on March 18, 2005 growth in money supply (M3) was 13.22 per cent at Rs.22, 65,328 crore. RBI's intervention in the foreign exchange market to check appreciation of rupee in turn increased liquidity in the money market. As on same date, Bank Credit to Commercial Sector increased by 16 per cent against 12.3 per cent during the same period previous year.

Despite lower growth of money supply during the year, there was an impressive growth in Gross Bank Credit by Scheduled Commercial Banks (SCBs). Food Credit grew by 15.2% compared to a decline of 25.9% in the last year. Non-Food Credit of Scheduled Commercial Banks increased to Rs.10,50,455 crore (by 28.08%) as on last Friday of the fiscal, from Rs.8,20,171 crore as on corresponding period previous year. Aggregate Deposits of Scheduled Commercial Banks also increased by 11.45 per cent on year-on-year basis. It stood at Rs.17,08,610 crore on March 25, 2005 against Rs.15,33,052 crore, registering an absolute growth of Rs.1,75,558 crore. Demand Deposits increased by Rs.58,106 crore and Time Deposits by Rs.1,72,417 crore in absolute terms.

RBI kept the Benchmark Bank Rate at 6% despite the surge in inflation. Following fiscal and monetary measures, inflation has subsided and so has the yield on government bonds.

Banks entered into tie-ups with insurance and mutual fund companies for cross selling of products. The year witnessed a number of ATM sharing agreements amongst various Public and Private Sector Banks. National Switch is emerging as the biggest IT initiative in the Banking Industry, facilitating Customers to access their Bank accounts from any Bank's ATM.

OUTLOOK:

In its semi-annual World Economic Outlook, the International Monetary Fund had projected a 'robust' economic growth for India despite uneven monsoons and higher global oil prices. However, it said that high fiscal deficit of the Centre and States could impinge on structural reforms, mainly in financial sector. Interest rates will be stable in the medium term, rising oil prices may put pressure on inflation but economy will be resilient to rising oil prices.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष 2004-2005 के दौरान आन्ध्रा बैंक का कार्य निष्पादन.

- कुल व्यवसाय 31 मार्च 2005 के दौरान हमारे बैंक का रु.45,000 करोड की एक और मील का पत्थर पार किया है. बैंक का कुल व्यवसाय 31 मार्च 2004 को रु.36325 करोड की तुलना 31 मार्च 2005 को रु.45461 तक बढ़ गया जो 25.15% की वृद्धि है.
- कुल जमाराशियाँ 31 मार्च 2004 को रु.22941 करोड की तुलना में 31 मार्च 2005 को रु.27551 करोड रहीं जो 20.10% की वृद्धि है.
- गैर बैंक जमा राशियाँ 31.03.2004 को रु.22859 करोड से रु.4618 करोड बढ़ते हुए 31.03.2005 को रु.27477 करोड बढ़ी जो 20.20% की वृद्धि है.
- सकल बैंक ऋण 31.03.2004 को 13384 करोड से 31.03.2005 को रु.17910 करोड बढ़ा. वर्ष के दौरान अग्रिम रु.4526 की सीमा तक बढा जो 33.82% की वृद्धि है.
- बैंक ने 2003-2004 के दौरान अर्जित रु.930.17 करोड के परिचालन लाभ के प्रति वर्ष के दौरान रु. 992.93 करोड का निवल लाभ अर्जित किया है जो 6.75% की वृद्धि है.
- निवेशों की बिक्री में लाभ को छोडकर मुख्य परिचालनों से सकल लाभ वित्त वर्ष 2004-2005 के दौरान रु.528.41 करोड से रु.607.42 करोड बढ़ा जो 14.95% की वृद्धि है.
- निवल लाभ वर्ष के दौरान रु. 463.50 करोड के प्रति रु.520.10 करोड रहा जो 12.21% की वृद्धि है.
- ऋण जमा अनुपात 31.03.2004 को 58.55% के प्रति 31.03.2005 को 65.18% रहा.
- बैंक ने वर्ष के दौरान 40 शाखाएँ प्रारंभ कीं जिससे बैंक की कुल शाखाएँ पिछले वर्ष की 1128 से 31.03.2005 को 1168 हुईं.
- बैंक 1672 व्यवसाय डेलीवरी चैनलों के माध्यम से सेवा प्रदान कर रही है जिसके अन्तर्गत 1168 शाखाएँ 136 विस्तार काउंटर, 38 अनुषंगी शाखाएँ तथा 330 एटीएम हैं.
- क्रेडिट कार्ड व्यापारी व्यवसाय 31.03.2004 की समाप्ति तक रु.591.50 करोड की तुलना में 31.03.2005 की समाप्ति तक रु.789.06 करोड रहा जो 33.4% की वृद्धि है.
- मानक आस्तियाँ पिछले वर्ष की अनुरूपी अवधि के दौरान 95.40% रहीं तथा इसकी तुलना में 31.03.2005 को 97.54% बढ़ीं.
- औसत प्रति कर्मचारी व्यापार 31.03.2004 को रु.250.36 लाख की तुलना में 31.03.2005 को रु.286.92 लाख बढ़ा.
- औसत जमा लागत पिछले वर्ष में 5.87% रहीं जो 2004-2005 के दौरान 4.86% तक कम हो गई.
- सकल अग्रिम के प्रति सकल एनपीए अनुपात पिछले वर्ष के 4.60% की तुलना में मार्च 2005 की समाप्ति तक 2.46% तक कम हो गया.
- निवल अग्रिम के प्रति निवल एनपीए 31.03.2004 को 0.93% रहा, जिसकी तुलना में यह मार्च 2005 की समाप्ति तक 0.28% रहा. बैंक सरकारी क्षेत्र बैंकों में से एक है जिनके निवल अग्रिमों के प्रति निवल एनपीए का स्तर न्यूनतम है.
- बैंक ने वित्त वर्ष 2004-2005 के दौरान 47848 स्वयं सहायता समूह का वित्तपोषण किया तथा रु.179.51 करोड की राशि का वितरण किया.

वित्तीय परिणाम: (रु.करोड में)

विवरण	2003-2004	2004-2005
ब्याज आय	2227.26	2273.46
ब्याज व्यय	1316.68	1204.42
ब्याजेतर आय	678.05	753.35
ब्याजेतर व्यय	658.46	829.46
सकल लाभ/परिचालन लाभ	930.17	992.93
प्रावधान एवं प्रासंगिकताएँ	466.67	472.83
निवल लाभ	463.50	520.10

- बैंक की कुल आय वित्तीय वर्ष 2004 के रु. 2905.31करोड से रु.121.50 करोड बढीं और यह वित्तीय वर्ष 2005 को रु.3026.81 करोड रहीं.
- ब्याजेतर आय 31.03.2004 के रु. 678.05 करोड की तुलना में 31.03.2005 को रु.753.35 करोड बढ़ीं.
- बैंक का परिचालन / सकल लाभ पिछले वर्ष के रु. 930.17 करोड की तुलना में रु.992.03 करोड तक बढ़ा.
- निवल लाभ पिछले वर्ष के रु.463.50 करोड की तुलना में रु.520.10 करोड तक बढ़ा.

व्यापारी बैंकिंग गतिविधियाँ :

बैंक ने प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए वसूलीकर्ता बैंकर, डिवीडेंड वारंट के भुगतान के लिए अदाकर्ता बैंकर तथा वाणिज्यिक पत्रों के लिए अदाकर्ता एजेंट के रूप में कार्य किया है. बैंक ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान डिबेंचर ट्रस्टी के रूप में कार्य करना जारी रखा. बैंक ने टियर II पूँजी बढाने हेतु गौण ऋण बांड के रूप में रु.200 करोड का संग्रह किया है. गौण ऋण बांड के सभी पाँचों निर्गम नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज तथा स्टॉक एक्स्चेंज, मुंबई में सूचीबद्ध हैं.

जमाराशियाँ :

बैंक ने वर्ष के दौरान कुल जमाओं में 20.10% की वृद्धि-दर प्राप्त की है. कुल जमाराशियाँ, जो 31.03.2004 को रु.22941 करोड थीं, 31.03.2005 को रु.27551 करोड रहीं जो रु.4610 करोड वृद्धि दर्शाती है.

31.03.2005 को बैंक की कुल जमाराशियों की संरचना

क्र.सं	जमा-प्रकार	राशि (रु. करोड में)	कुल जमा का प्रतिशत
1	चालू जमाएँ	2558.29	9.29
2	बचत बैंक जमाएँ	7400.77	26.86
3	मीयादी जमाएँ	17591.65	63.85
4	कुल	27550.71	100.00

www.reportjunction.com